सेवा का गुरुर

सुख से जीने के लिए
धैर्य से हमें रहना होगा,
भविष्य अगर बनाना है
सच्चाई पर चलना होगा,
काँटों से भरी बाधाएं
जीवन पथ पर आएंगी,
जिन राहों में काटें ना हो
वो राह नही कहलाती,
दृढ़ता से चलने वाले की
हार कभी ना होती,
मानव जीवन अनमोल है
सम्मान से जीना होगा,
मानव अधिकार रक्षित हों
यह सुनिश्चित करना होगा,
पृथ्वी के हर इंसानों को
जीवन के मिले अधिकार,
हर उपेक्षित प्राणी को मिले
स्वतंत्र जीवन का उपहार,
भय अंधकार से मुक्ति मिले
और खुशियां मिले अपार,
भारत के हर जन के मन में
देशभक्ति का जज्बा जगायेंगे,
शहीद हर सैनिक के सामने
सब अपना शीश झुकायेंगे,
उसके परिवार का साथ देकर
हम अपना भी धर्म निभाएंगे,
जब प्रजातंत्र में हर प्राणी
अपना कर्तव्य निभाता है,
धरती के हर कण कण पर
बादल भी नीर बरसाता है,
उस पानी से ताकत पाकर
हर बीज अंकुरित होता है,
किसान उसे सींच सींच कर
खेतों में फसल उगाता है,
अनाज उगाकर हर मानव का
सेवा ही करता रहता है,

✍ गोपाल कृष्ण व्यास